एक कदम स्वच्छता की ओर

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की मासिक पत्रिका

अपनी बात

अंक : 594 वर्ष 44 राँची, जुलाई, 2023

सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने समीक्षा बैठक की

दिनांक 05 जुलाई को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची में सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने कंपनी के कार्य निष्पादन से संबंधित एक समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री राम बाबू प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री बी. साईराम, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार सहित मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में डॉ. रेड्डी ने उत्पादन, प्रेषण, कार्य–निष्पादन इत्यादि से संबंधित जानकारी हासिल की। उन्होंने सीसीएल के विगत वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुये कहा कि कंपनी निश्चित रूप से इस वित्तीय वर्ष में भी अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होगी। डॉ. रेड्डी ने अपने संबोधन में सभी कर्मियो से एक टीम की तरह कार्य करने पर बल दिया।

ज्ञातव्य हो कि डॉ. रेड्डी ने वर्ष 1986 में कोठागुडम स्कूल ऑफ माइन्स, उस्मानिया विश्वविद्यालय से खनन में बी.टेक किया और वर्ष 2000 में कोठागुडम स्कूल ऑफ माइन्स, उस्मानिया विश्वविद्यालय से माइन प्लानिंग में एम.टेक की डिग्री हासिल की है। उनके पास कोयला खनन, योजना, खरीद, संचालन और

समीक्षा बैठक के दौरान सीएमडी डॉ. बी. बीरा रेड्डी का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते निदेशक (का.) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचा.) श्री राम बाबू प्रसाद, निदेशक (वित्त) श्री पंकज कुमार मिश्रा एवं निदेशक (तकनीकी/यो. एवं परि.) श्री बी. साइराम

कोयला उद्योग में 33 वर्षों का व्यापक अनुभव है। डॉ. रेड्डी वर्तमान में कोल इंडिया लिमिटेड में निदेशक तकनीकी (संचालन) के रूप में भी कार्यरत हैं।

सीसीएल में डॉ. रेड्डी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। निश्चित ही उनके नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में कंपनी सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएगी।

सीएमडी डॉ. रेड्डी सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के दौरा की

जुलाई माह में सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों एवं स्टेकहोल्डर्स से मुलाकात कर उत्पादन–उत्पादकता एवं कार्यनिष्पादन का जायजा लिया।

डॉ. रेड्डी खनन क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए

"प्रिवेंटिव विजीलेंस और एचआर ईक्विटी" विषय पर कार्यशाला आयोजित

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

दिनांक 06 जुलाई को सीसीएल मुख्यालय, राँची में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा "प्रिवेंटिव विजीलेंस और एचआर ईक्विटी" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार ने कई महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि निष्ठा और पारदर्शिता के साथ काम करना अधिकारियों का कर्तव्य होना चाहिए।

निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने कर्मियों को पूरी पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रूप से काम करने का संदेश दिया और कहा कि किसी भी प्रस्ताव को स्पष्टता के साथ भयमुक्त होकर प्रस्तुत करें।

महाप्रबन्धक (अधिकारी स्थापना) श्री संजय ठाकुर ने विजलेंस के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों से कहा कि कार्य में निर्भिकता के लिए आवश्यक है कि आप सीडीए रूल के अनुरूप कार्यों का निष्पादन करें।

ज्ञात हो कि कर्मचारियों के बहुमूखी विकास तथा बेहतर कार्यनिष्पादन के लिए निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सीसीएल में नियमित तौर पर ऐसे कार्याशालाओं का आयोजन किया जाता है।

महाप्रबंधक (एचआरडी), श्री पार्थ भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मंच संचालन मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) श्री संजय ने किया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, सीवीओ श्री पंकज कुमार एवं विभागाध्यक्ष (विधि) श्री पार्थो भट्टाचार्जी

जब तक जीवन है, सीखते रहो। क्योंकि अनुभव ही सबसे श्रेष्ठ शिक्षक है।
– स्वामी विवेकानन्द

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति का राँची दौरा

समिति ने सीसीएल में राजभाषा गतिविधियों का निरीक्षण किया

निरीक्षण के दौरान राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति का स्वागत करते निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं अन्य

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति द्वारा 13 जुलाई से 15 जुलाई, 2023 तक राँची एवं इसके आसपास स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 15 जुलाई को सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का निरीक्षण राँची में किया गया। इस अवसर पर संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति की ओर से संयोजक संसद सदस्य (लोकसभा) डॉ. मनोज राजोरिया, संसद सदस्य (राज्यसभा), डॉ. अमी याज्ञिक, संसद सदस्या (राज्यसभा) श्रीमती कांता कर्दम, संसद सदस्या (राज्यसभा) सुश्री सरोज पांडेय उपस्थित थे। साथ ही सीसीएल की ओर से निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, विभागाध्यक्ष (राजभाषा), श्री संजय कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम में समिति के उपस्थित सभी सदस्यों ने कंपनी के कार्यकलापों का निरीक्षण किया और कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सभी की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने राजभाषा कार्य की प्रगति के निरीक्षण का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिये।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने माननीय सदस्यों का स्वागत किया तथा सीसीएल की राजभाषा की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से गणमान्यों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी संस्कृति से जुड़ी हुई है एवं इसका विकास हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

सीसीएल प्रबंधन की ओर से माननीय सदस्यों के दिशा–निर्देशों के पूर्णरूपेण पालन एवं हिन्दी के उतरोत्तर विकास के लिए सभी उचित कदम उठाने को आश्वस्त किया गया ।

अवसर विशेष पर राजभाषा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीसीएल के राजभाषा एवं अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम के दौरान राजभाषा प्रदर्शनी में उपस्थित निदे. (का.) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं अन्य

नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी (NCSK) की उपाध्यक्षा का सीसीएल दौरा

नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी की उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार का स्वागत करते निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

दिनांक 19 जुलाई को पर्यटन विहार, स्टेट गेस्ट हाउस, पतरातु में नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी (NCSK) द्वारा एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी की उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार ने किया । इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का. एवं औ.सं) सुश्री रश्मि दयाल, महाप्रबंधक (न.प्र.) श्री राजेश मोहन, विभागाध्यक्ष (जनसंपर्क) श्री आलोक कुमार, एससी– एसटी परिषद के प्रतिनिधि एवं सीसीएल कर्मी उपस्थित थे।

श्रीमती पंवार ने सफाई कर्मचारी के प्रति सीसीएल द्वारा किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आयोग के निर्देशों को और बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने हेतु अनेक आवश्यक सुझाव दिए और कहा कि प्रत्येक तिमाही स्वच्छता कर्मियों की स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए साथ ही सभी कर्मियों का पहचान–पत्र भी होना चाहिए जिसमें स्पष्ट रूप से रक्त समूह का उल्लेख हो। इसके अतिरिक्त सभी कर्मियों को भविष्य निधि की समुचित जानकारी होनी भी आवश्यक है। उन्होने सफाई कर्मचारी के कोरोना काल के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी कर्मी अथक प्रयास कर स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है। अतः यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक समस्या न आने पाए।

निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अवसर विशेष पर सफाई कर्मचारियों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को स्वच्छ एवं रोगमुक्त रखने में सफाई कर्मचारियों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि माननीय उपाध्यक्षा द्वारा दिए गए निर्देशों का सीसीएल पूर्णतः पालन करेगा।

अवसर विशेष पर सीसीएल द्वारा स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को पावरप्वायंट (पीपीटी) के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

बैठक का एक दृश्य

निदेशक (कार्मिक) की अध्यक्षता में सीसीईबीएफएस की बैठक संपन्न

बैठक का एक दृश्य

दिनांक 21 जुलाई को सीसीएल मुख्यालय, राँची में सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री हर्ष नाथ मिश्र की अध्यक्षता में सेंट्रल कोलफील्ड्स एंप्लाइज बेनिफॅालेंट फंड सोसायटी (CCEBFS) की शासकीय निकाय की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर श्रमिक संघ के प्रतिनिधि एवं सोसाइटी के सदस्यगण उपस्थित थे।

सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री हर्ष नाथ मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर कई लाभकारी निर्णय लिए गए। इनमें मृत्यु लाभ में मिलने वाली राशि को 75 हज़ार से बढ़ाकर 1 लाख 25 हजार करने का निर्णय लिया गया। साथ ही हृदय एवं गुर्दा रोग से ग्रसित सदस्यों के लिए चिकित्सीय सेवा लाभ में शामिल एवं सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाले विभागीय उपहार में वृद्धि किया गया । इतना ही नहीं सोसाइटी के प्रति कर्मचारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में भी इसका प्रसार करने पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त भी सोसाइटी के नियमों में वांछित एवं लाभकारी संशोधन किए गए।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने उपरोक्त निर्णयों का स्वागत किया।

सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

विदाई–सह–सम्मान समारोह का एक दृश्य

सीसीएल से मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 3 कर्मी – महाप्रबंधक (एचआरडी/विधि), एचआरडी/विधि विभाग श्री पार्थो भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (उत्खनन), सीसीएमसी विभाग श्री बोध कृष्णा झा, मुख्य प्रबंधक (वित्त), आईएडी विभाग श्री अविजीत गोस्वामी, को दिनांक 31 जुलाई को सीसीएल परिवार की ओर से मुख्यालय में "सम्मान समारोह" का आयोजन कर उनके सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। जुलाई माह में मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 83 कर्मी सेवानिवृत्त हुए जिन्हें ससम्मान विदाई दी गई।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (वीडियो क्लिप) 'सम्मान समारोह' के दौरान प्रदर्शित किया गया। सेवानिवृत कर्मियों ने कंपनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी निरंतर नयी ऊँचाईयों को छू रही है और हम इसके उत्तरोत्तर विकास की कामना करते हैं।

निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने समारोह के मुख्य आकर्षण सेवानिवृत्त कर्मियों का स्वागत करते हुए कहा कि कंपनी की सफलता में आप सभी का योगदान सराहनीय है। श्री मिश्र ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के जीवन के दूसरी पाली के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की।

मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पंकज कुमार ने अपने संबोधन में सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदानों की सराहना करते हुये कहा कि रिटायरमेंट के बाद आप सभी अपने आप को सामाजिक एवं अच्छे कार्यों में व्यस्त रखें।

इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन उपस्थित थे। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती रेखा पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग के कर्मियों एवं अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

समाचार पत्रों में सीसीएल

कोल इंडिया के डीटी बी वीरा रेड्डी को सीसीएल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार

वर्तमान सीएमडी पीएम प्रसाद आज संभालेंगे कोल इंडिया के चेयरमैन का पदभार

रांची, 30 जून। कोल इंडिया के डीटी बी वीरा रेड्डी को सीसीएल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसका आदेश कोयला मंत्रालय के निदेशक महेन्द्र प्रताप ने 30 जून को जारी किया है। इसकी जानकारी कोल इंडिया के चेयरमैन को भी दी है। जारी आदेश में निदेशक ने लिखा है कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने सीसीएल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार कोल इंडिया के डीटी बी वीरा रेड्डी को लेने की मंजूरी दे दी है। एक जुलाई को वह तीन महीने या नियमित नियुक्ति होने या अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। जानकारी हो कि सीसीएल के सीएमडी पीएम प्रसाद की नियुक्ति कोल इंडिया चेयरमैन में हो गई

पीएम प्रसाद ने कोल इंडिया के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया के नए चेयरमैन पीएम प्रसाद ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। श्री प्रसाद कोल इंडिया के 29वें चेयरमैन बनाए गए हैं। नए चेयरमैन के रूप में उन्होंने कोलकाता स्थित कोल इंडिया के मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया। कोल इंडिया के 28वें चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल 30 जून को सेवानिवृत्त हो गए हैं। मालूम हो कि तीन मई को पीएम प्रसाद का चयन नए चेयरमैन के लिए पीइएसबी ने किया था। पीएम प्रसाद ने एक सितंबर 2020 को सीसीएल सीएमडी का पदभार संभाला था। इससे पूर्व बीसीसीएल के सीएमडी पद पर कार्यरत रहे हैं।

पीएम प्रसाद का सफरनामा : पीएम प्रसाद वर्ष 1984 में ओस्मानिया विश्वविद्यालय से बीई. (खनन) में स्नातक करने के बाद अगस्त 1984 में कोल इंडिया लिमिटेड में नियुक्त हुए थे। प्रशिक्षु अधिकारी से महाप्रबंधक तक के विभिन्न पदों पर डब्ल्यूसीएल और एमसीएल में रहे। वर्ष 1991 में इंडियन स्कूल ऑफ माइंस धनबाद से ओपन कास्ट माइनिंग में एमटेक किया और 1988 डीजीएमएस की ओर से आयोजित फर्स्ट क्लास माइंस मैनेजर सर्टिफिकेट प्राप्त किया। वहीं, साल 1997 में नागपुर विश्वविद्यालय से लॉ में स्नातक की डिग्री भी ली।

मार्च 2012 से लिंगराज क्षेत्र, एमसीएल के महाप्रबंधक के रूप में प्रसाद ने कनिहा ओपनकास्ट कोयला परियोजना की शुरूआत की। मई 2015 में एनटीपीसी में कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) नियुक्त हुए। मार्च 2016 में एनटीपीसी हजारीबाग, झारखंड के परियोजना के कार्यकारी निदेशक सह प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। फरवरी 2018 से जुलाई 2019 तक एनसीएल के निदेशक तकनीकी रहे। दो अगस्त 2019 को बीसीसीएल के सीमएडी बनने से पहले डब्लयूसीएल और बीसीसीएल के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

सीसीएल में प्रिवेंटिव विजीलेंस और एचआर ईक्विटी विषय पर कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय सागर सवांददाता

रांची : सीसीएल मुख्याऔलय, रांची में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा प्रिवेंटिव विजीलेंस और एचआर ईक्विटी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक(कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार, विभिन्नय विभागों के महाप्रबंधक,विभागाध्यक्ष एवं अन्यक अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुएसीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार नेकई महत्वोपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि निष्ठा और पारदर्शिता के साथ काम करना अधिकारियों का कर्तव्य होना चाहिए। सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र ने कर्मियों को पूरी पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रूप से काम करने का संदेश दिया और कहा कि किसी भी प्रस्ताव को स्पीष्टपता के साथ भयमुक्तर होकर प्रस्तुत करें। महाप्रबन्धक (अधिकारी स्थापना) संजय ठाकुर ने विजलेंस के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों से कहा कि कार्य में निर्भिकता के लिए आवश्यक है कि आप सीडीए रूल के अनुरूप नियमानुसार कार्यों का निष्पालदन करें। ज्ञात हो कि कर्मचारियों के बहुमूखी विकास तथा बेहतर कार्यनिष्पाादन के लिए निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र के कुशल नेतृत्वि एवं मार्गदर्शन में सीसीएल में नियमित तौर पर ऐसे कायार्शलाओं का आयोजन किया जाता है। महाप्रबंधक (एचआरडी), पार्थ भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मंच संचालन मुख्यप्रबंधक (कार्मिक) संजय ने किया।

सीसीएल के नवनियुक्त सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने समीक्षा बैठक की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जुलाई को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में सीसीएल के नवनियुक्ति सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डीने कंपनी के कार्यनिष्पादन से संबंधित एक समीक्षा बैठककिया। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक तकनीकी (संचालन) राम बाबू प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र,निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) बी साईराम, मुख्यी सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित मुख्यामलय के विभिन्नत विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यीक्ष, क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में डॉ. रेड्डी नेउत्पादन, प्रेषण, कार्य-निष्पाभदन इत्या दि से संबंधित जानकारी हासिल किया। डॉ.रेड्डी ने अपने संबोधन में सभी कर्मियो से एक टीम की तरह कार्य करने पर बल दिया। ज्ञातव्यो हो कि डॉ. रेड्डी ने वर्ष 1986 में कोठागुडम स्कूल ऑफ माइन्स, उस्मानिया विश्वविद्यालय से खनन में बीटेक किया और वर्ष 2000 में कोठागुडम स्कूल ऑफ माइंस, उस्मानिया विश्वविद्यालय से माइन प्लानिंग में एमटेक की डिग्री हासिल की है। उनके पासकोयला खनन, योजना, खरीद, संचालन और कोयला उद्योग में 33 वर्षों का व्यापक अनुभव है। डॉ. रेड्डी वर्तमान में कोल इंडिया लिमिटेड में निदेशक तकनीकी (संचालन) के रूप में भी कार्यरत हैं।

CCL: Ramgarh mines ready for production during rainy season

N K Agrawal | TNN

Ramgarh: Coal mines in Ramgarh district under Barka-Sayal, Argada, Kuju, Rajrappa and parts of Charhi mining areas of Central Coalfields Limited (CCL) are ready for production during the rainy season despite several challenges.

CCL officials said they have made special preparations for the monsoon as coal production particularly in deep pond-like open-cast mines is a huge challenge during rains. The preparations included protecting the heavy machines deployed in the deep open-cast mines, arranging water discharge mechanisms and stopping rainwater flow into the mines.

Ajay Kumar Singh, the general manager of the Barka-Sayal area, which is the biggest mining area of CCL in the district, said his mining area is ready to start production despite the heavy rain. "We have dug out trenches in the outer circumference for stoppage of rainwater into the deep mines. If the water flows inside, it could sink our machines as the mines will turn into ponds," he said.

> **We have dug out trenches in the outer circumference for stoppage of rainwater into the deep mines. If the water flows inside, it could sink our machines as the mines will turn into ponds**
>
> AJAY KUMAR SINGH
> GM of CCL Barka-Sayal area

Moreover, roads connecting the mines with the coal dump used were given proper drainage systems for the transportation of the coal produced, Singh said, adding, "We have made sumps in the mine for storage of rainwater discharged from the mines with the help of high-power motors."

CCL Argada area general manager Sudhanshu Kumar Pandey also said, "We have already kept sufficient extra coal storage to continue dispatch during monsoon which is also a part of the preparations. We have put focus on keeping our heavy and costly machines safe during heavy rain which often sink in the water if no precautions are taken." Pandey added that other machines, including earthmovers, were kept on standby for any emergency cases.

Meanwhile, a senior CCL official admitted that despite all precautionary efforts, mines suffer losses during monsoons but expressed hope that the mines in Ramgarh district continue to produce coals during the rainy season.

कोयला उत्पादन में वृद्धि और आपूर्ति में हुआ तेजी से सुधार

पहली बार वार्षिक उत्पादन 100 मीट्रिक टन से अधिक

सिटी रिपोर्टर | रांची

कैप्टिव खनिकों से उत्पादन वित्त वर्ष 2022-23 में 43.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पहली बार वार्षिक उत्पादन 100 मीट्रिक टन को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2022 में यह 86 मीट्रिक टन से बढ़कर 123 मीट्रिक टन हो गया। कोकिंग कोल पर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कोयला मंत्रालय ने पिछले साल मिशन कोकिंग कोल लांच किया है, जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक देश के कोकिंग कोल उत्पादन को दोगुना से अधिक 140 मीट्रिक टन करना है।

कोल इंडिया से मिली जानकारी के अनुसार वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2023 के दौरान भारत के कोयला उत्पादन में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है, परिणामस्वरूप क्षेत्र के प्रति विभिन्न सरकारी पहलों के कारण सूखे ईंधन की उपलब्धता और आपूर्ति में सुधार हुआ है। कोल इंडिया की रेटिंग करनेवाली एजेंसी ने कहा है कि वित्त वर्ष 2023 में कोल इंडिया का उत्पादन 12.1 प्रतिशत बढ़ा। यह पिछले कुछ दशकों में राज्य के स्वामित्व वाली खनिक द्वारा दर्ज की गई सबसे तेज वृद्धि दर थी। नीतिगत हस्तक्षेप, विशेष रूप से कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन दोनों के संबंध में कोयला क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता और व्यापार करने में आसानी हुई है। वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2023 में घरेलू कोयला उत्पादन में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। जब घरेलू कोयले की मांग में तेज उछाल के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए इसमें क्रमशः 8.7 प्रतिशत और 14.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

Overall coal stock position in India grows 34% to 103 MT: Coal Ministry

PTI ■ NEW DELHI

The overall coal stock position in the country rose 34 per cent to 103 million tonnes (MT) on July 16, an official statement said on Tuesday.

As on July 16, 2023, thermal power plant coal stock stands at 33.46 MT, which is 28 per cent higher compared to the corresponding period of last financial year, the coal ministry said in a statement.

"Coal availability at all locations including pithead coal stock at mine end, stock in transit and TPPs is 103 MT as against 76.85 MT last year, which is 34 per cent higher year-on-year. The ministry is also closely coordinating with all central gencos (generation companies) and state gencos and there is absolutely no shortage of coal for the power sector," it said.

The ministry further said that coal companies have undertaken construction of cemented roads for uninterrupted evacuation from larger mines. Transportation from nine coal mines to railway sidings has been started through mechanised coal handling plants.

Coal production from April 1 to July 16, 2023 stood at 258.57 MT as against 236.69 MT in the same period last year.

मुख्यमंत्री से मिले सीसीएल के सीएमडी बी वीरा रेड्डी

राष्ट्रीय सागर सवांददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में सीसीएल सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। मुख्यमंत्री से उन्होंने कोयला के उत्पादन एवं प्रेषण में 2023-24 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मार्गदर्शन का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उत्पादन एवं प्रेषण लक्ष्य प्राप्त होने से राज्य को राजस्व की प्राप्ति में वृद्धि भी होगी। डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने राज्य सरकार की ओर से इस कार्य के लिए सहयोग किए जाने का विश्वास जताया।

गैस ईंधन बनाने की विचार कर रहा केंद्र

> छह हजार करोड़ रुपये की योजना ला सकती है सरकार, प्राकृतिक गैस, मेथनाल और अन्य जरूरी उत्पादों का निर्यात घटेगा

कोयले से को बढ़ावा ,000 करोड़ पर विचार ालय ने एक में कोयले ो प्रौद्योगिकी त्र में क्रांति से प्राकृतिक अन्य जरूरी निर्भरता कम 'मंत्रालय

क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को सहयोग देगी, जबकि दूसरे खंड में निजी क्षेत्र और सार्वजनिक उपक्रम दोनों शामिल होंगे। इस खंड के तहत कम से कम एक परियोजना का चयन शुल्क-आधारित बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसके

संसदीय राजभाषा समिति ने किया निरीक्षण

रांची. शनिवार को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति ने सीसीएल का निरीक्षण किया. समिति ने कार्यों के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने पर बल दिया. साथ ही दैनिक कार्यों की भी समीक्षा की. इस उप समिति के संयोजक सांसद डॉ मनोज राजेरिया हैं. उन्होंने समिति के निरीक्षण के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि राजभाषा को बढ़ावा मिले, इसमें सबकी सक्रिय सहभागिता आवश्यक है. मौके पर निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया. सीसीएल के राजभाषा की गतिविधियों से अवगत कराया. कहा कि राजभाषा का विकास हम सभी की नैतिक जिम्मेवारी है. इसे लेकर सजग और सक्रिय होकर कार्य किया जा रहा है. समिति में राज्यसभा सांसद डॉ अमी याज्ञिक, कांता कर्दम, सरोज पांडेय आदि शामिल हैं. समिति 13 जुलाई से झारखंड दौरे पर हैं. इस दौरान समिति की ओर से विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया है.

इस वर्ष कोयला में निजी क्षेत्र से बड़े निवेश का रोडमैप तैयार

धनबाद, विशेष संवाददाता। कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने कोल सेक्टर में निजी निवेश को बढ़ाषा देने का रोडमैप तैयार कर काम शुरू कर चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष में 50118.61 करोड़ का निवेश निजी क्षेत्र से होने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत निजी कंपनियों को कोयला खदानें दी जा रही हैं।

> ■ 50118.61 करोड़ निजी निवेश की योजना, कोल इंडिया की खदानों में 16500 करोड़

कोल इंडिया एवं अनुषंगी कंपनियों को आवंटित खदानों में भी निजी कंपनियों से 16500 तक निवेश का अनुमान है। यह निवेश एसेट मोनेटाइजेशन, एमडीओ आदि के रुप में होने को है। कोयला मंत्रालय की ओर से वित्तीय वर्ष 2023-24 के रोडमैप में एसेट मोनेटाइजेशन प्लान में इस बात की जानकारी दी गई है।

बात कॉमर्शियल माइनिंग की करें तो वित्तीय वर्ष 2022-23 में कॉमर्शियल माइनिंग के लिए 23 कोल ब्लॉक का करार हुआ। क्षमता 33.224 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इन खदानों से 4700.80 करोड़ राजस्व प्रतिवर्ष मिलने की उम्मीद है। 2023-24 में 25 कोयला खदानों का आवंटन कॉमर्शियल माइनिंग के लिए होने की उम्मीद है। यानी पिछले वित्तीय वर्ष से ज्यादा का निजी निवेश कॉमर्शियल माइनिंग के लिए होगा। एसेट मोनेटाइजेश की सूची में बीसीसीएल प्रमुखता से शामिल है। कोल इंडिया ने जिन 20 बंद भूमिगत खदानों को निजी कंपनियों को चलाने देने की योजना बनाई है, उनमें पांच बीसीसीएल की है। इसके अलावा बीसीसीएल अपनी सभी पुरानी वाशरियों को एसेट मोनेआइजेशन के तहत शर्तों के साथ निजी कंपनियों को देने वाली है। सलानपुर में होगी नौ प्रतिशत की हिस्सेदारी कतरास क्षेत्र स्थित सालानपुर-एजीकेसी कोयला खदान के लिए 9 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी की दर पर 25 वर्षों की अवधि के लिए मैसर्स आर के ट्रांसपोर्ट कंपनी को दी गई है।

नेशनल कमीशन फॉ… प्रत्येक तिमाही स्वच्छता क…

एक संदेश संवाददाता

रांची: पर्यटन विहार, स्टेट गेस्ट हाउस, पतरातु में नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी (NCSK) द्वारा एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नेशनल कमीशन फॉर सफाई कर्मचारी की उपाध्यक्षा अंजना पंवार ने किया । इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का. एवं औ.सं) रश्मि दयाल, महाप्रबंधक (न.प्र.) राजेश मोहन, विभागाध्यक्ष (जनसंपर्क) आलोक कुमार, एससी- एसटी परिषद के प्रतिनिधि एवं सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। पंवार ने सफाई कर्मचारी के प्रति सीसीएल द्वारा किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आयोग के निदेशों को और बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने हेतु अनेक आवश्यक सुझाव दिए और कहा कि प्रत्येक तिमाही स्वच्छता कर्मियों की स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए साथ ही सभी कर्मियों का पहचान-पत्र भी होना चाहिए जिसमें स्पष्ट रूप से रक्त समूह का उल्लेख हो। इसके अतिरिक्त सभी कर्मियों को भविष्य निधि की समुचित जानकारी होनी भी आवश्यक है। उन्होने सफाई कर्मचारी के कोरोना काल के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी कर्मी अथक प्रयास कर स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है। अतः यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक समस्या न आने पाए।

निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अवसर विशेष पर सफाई कर्मचारियों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को स्वच्छ एवं रोगमुक्त रखने में सफाई कर्मचारियों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि माननीय उपाध्यक्षा द्वारा दिए गए निदेर्शों का सीसीएल पूर्णतः पालन करेगा।

अवसर विशेष पर सीसीएल द्वारा स्वच्छता संबंधी अपनी गतिविधियों को पावरप्वायंट (पीपीटी) के माध्यम से प्रस्तत किया गया।

सोशल मीडिया में सीसीएल

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

CCL celebrated Swachhta Pakhwada from 16 to 30.06.2023.
A plethora of activities like flagging of swchhta rath, nukkad natak, distribution of dustbins, jute bags, swachhta rally, distribution & plantation of saplings,essay competition etc were organised to celebrate the occasion.

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

आज सीसीएल में "प्रिवेंटिव विजीलेंस और एचआर एक्टिविटीज" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर निदे.(का.) श्री हर्ष नाथ मिश्र , सीवीओ श्री पंकज कुमार ने विजीलेंस के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अवसर विशेष पर जीएम (अ.स्था.) ने भी विषय के महत्व पर चर्चा की। #BeyondCoal

Translate Tweet

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

सीसीएल ने रिकार्ड समय में 25 एमटी कोयले का किया प्रेषण ।

कंपनी ने यह उपलब्धि वर्तमान वित्तिय वर्ष के महज 3 महीने 18 दिन में प्राप्त कर नया कीर्तिमान रचा है। कंपनी स्थापना के बाद से सबसे कम समय में इस मुकाम तक पहुंची है।

इस अभूतपूर्व प्रर्दशन के लिए #टीमसीसीएल को बहुत बहुत बधाई!

Translate Tweet

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

सीएमडी डॉ बी. वीरा रेड्डी ने झारखण्ड के मुख्य सचिव श्री सुखदेव सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। डॉ रेड्डी ने मुख्य सचिव से कोयला उत्पादन एवं प्रेषण सम्बन्धित जानकारियों को साझा करते हुए सीएसआर के तहत चलाए जा रहे सीसीएल के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। #BeyondCoal

Translate Tweet

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

सीसीएल द्वारा सीएसआर के तहत रजरप्पा क्षेत्र के जनता उच्च विद्यालय, रामगढ़ में कैरमबोर्ड, लूडो, शतरंज,क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन किट का वितरण किया गया।
साथ ही साथ 22 लाभार्थियों को व्हीलचेयर और श्रवण मशीनें भी वितरित की गई। #BeyondCoal

Translate Tweet

(आंतरिक वितरण हेतु सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित)
सम्पादक : आलोक कुमार, विभागाध्यक्ष, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, उप प्रबंधक (जनसम्पर्क), मयंक कश्यप, उप प्रबंधक (सीडी), मनीष कुमार तिवारी, एमटी, जनसम्पर्क विभाग